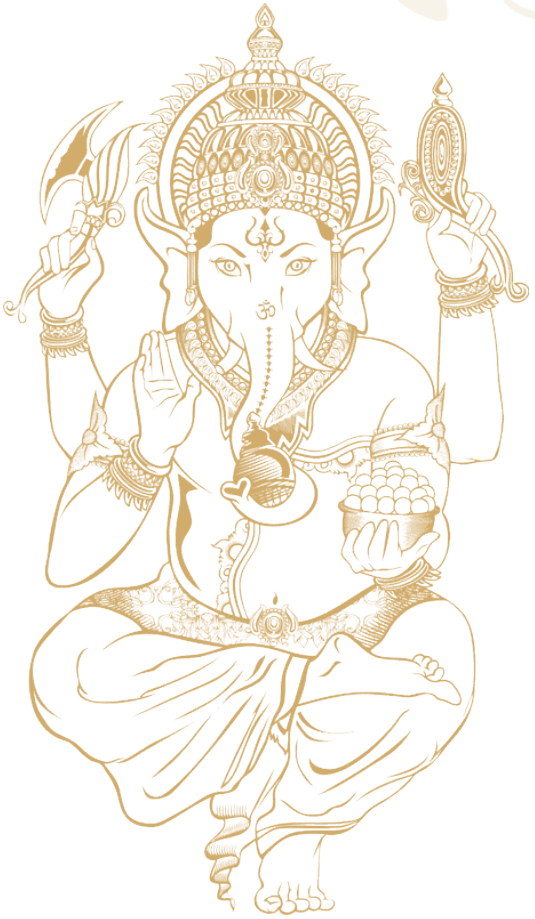

Manoj Kumar

31 Oct 1972

04:00 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121621802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/10/1972**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	24:23:29 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:43:44 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	18:23:01 घंटे
सूर्योदय	06:14:36 घंटे
सूर्यास्त	17:45:10 घंटे
दिनमान	11:30:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:37:12 तुला
लग्न के अंश	13:46:11 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	13:46:11	453:28:40	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
सूर्य			तुला	14:37:12	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			सिंह	11:34:22	12:41:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कन्या	26:19:10	00:39:20	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	07:16:30	01:11:51	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	11:22:36	00:10:23	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कन्या	07:09:38	01:12:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	नीच राशि
शनि	व		वृष	26:22:23	00:03:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	26:30:01	00:04:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	26:30:01	00:04:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	नीच राशि
हर्ष			कन्या	26:26:16	00:03:39	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	---
नेप			वृश्चि	10:31:21	00:02:04	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	09:44:43	00:01:57	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	11:48:11	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:54

लग्न-चलित

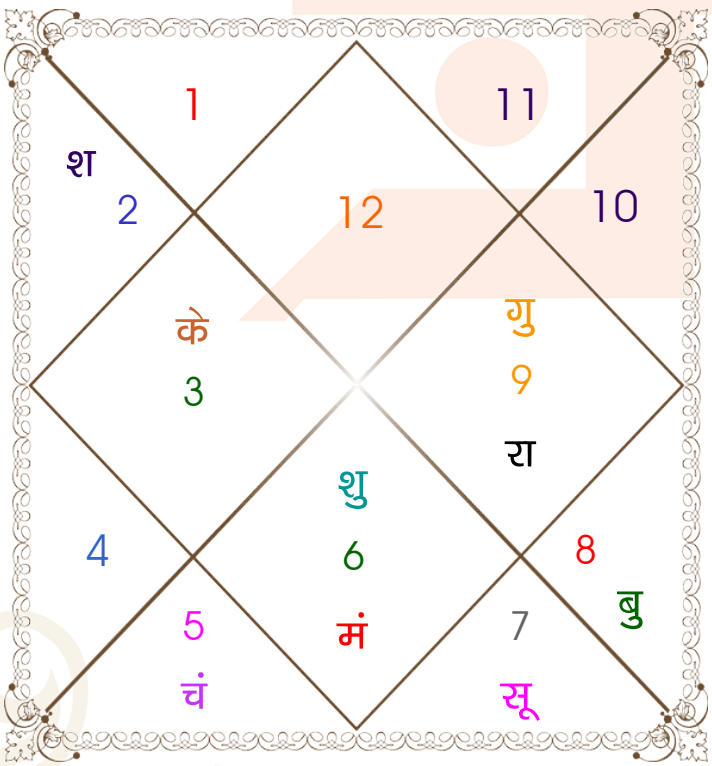

चन्द्र कुंडली

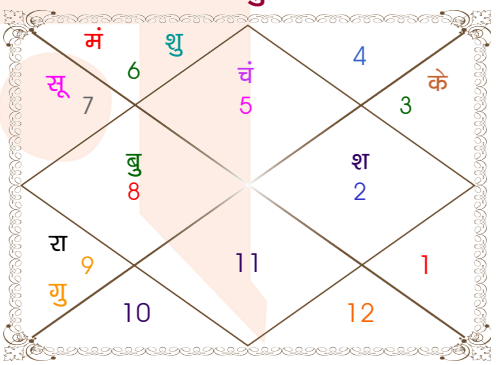

नवमांश कुंडली

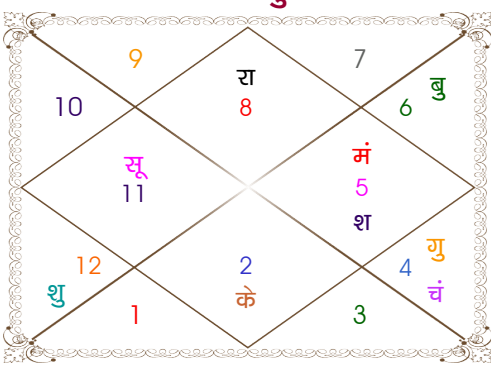

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 11 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/10/1972		04/10/1973		04/10/1993		04/10/1999		04/10/2009	
04/10/1973		04/10/1993		04/10/1999		04/10/2009		03/10/2016	
	00/00/0000	शुक्र	02/02/1977	सूर्य	21/01/1994	चंद्र	04/08/2000	मंगल	02/03/2010
	00/00/0000	सूर्य	02/02/1978	चंद्र	23/07/1994	मंगल	05/03/2001	राहु	20/03/2011
	00/00/0000	चंद्र	04/10/1979	मंगल	28/11/1994	राहु	04/09/2002	गुरु	24/02/2012
	00/00/0000	मंगल	03/12/1980	राहु	23/10/1995	गुरु	04/01/2004	शनि	04/04/2013
	00/00/0000	राहु	04/12/1983	गुरु	10/08/1996	शनि	04/08/2005	बुध	01/04/2014
	00/00/0000	गुरु	04/08/1986	शनि	23/07/1997	बुध	03/01/2007	केतु	28/08/2014
	00/00/0000	शनि	04/10/1989	बुध	29/05/1998	केतु	04/08/2007	शुक्र	29/10/2015
	31/10/1972	बुध	04/08/1992	केतु	04/10/1998	शुक्र	04/04/2009	सूर्य	04/03/2016
बुध	04/10/1973	केतु	04/10/1993	शुक्र	04/10/1999	सूर्य	04/10/2009	चंद्र	03/10/2016

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/10/2016		04/10/2034		04/10/2050		04/10/2069		04/10/2086	
04/10/2034		04/10/2050		04/10/2069		04/10/2086		31/10/2092	
राहु	17/06/2019	गुरु	21/11/2036	शनि	07/10/2053	बुध	01/03/2072	केतु	02/03/2087
गुरु	09/11/2021	शनि	04/06/2039	बुध	16/06/2056	केतु	27/02/2073	शुक्र	01/05/2088
शनि	15/09/2024	बुध	09/09/2041	केतु	26/07/2057	शुक्र	28/12/2075	सूर्य	06/09/2088
बुध	05/04/2027	केतु	16/08/2042	शुक्र	24/09/2060	सूर्य	03/11/2076	चंद्र	07/04/2089
केतु	22/04/2028	शुक्र	16/04/2045	सूर्य	06/09/2061	चंद्र	04/04/2078	मंगल	03/09/2089
शुक्र	23/04/2031	सूर्य	02/02/2046	चंद्र	08/04/2063	मंगल	02/04/2079	राहु	22/09/2090
सूर्य	17/03/2032	चंद्र	04/06/2047	मंगल	16/05/2064	राहु	19/10/2081	गुरु	29/08/2091
चंद्र	15/09/2033	मंगल	10/05/2048	राहु	23/03/2067	गुरु	25/01/2084	शनि	07/10/2092
मंगल	04/10/2034	राहु	04/10/2050	गुरु	04/10/2069	शनि	04/10/2086	बुध	31/10/2092

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 11 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।